'समझ संसद की' कार्यक्रम के अंतर्गत संसद भवन के दौरे पर आए विद्यार्थियों के सम्मुख माननीय अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

"नो योर पार्लियामेंट - समझ संसद की" प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन कर संसद भवन के विज़िट के लिए आए सभी युवा साथियों और प्यारे विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत करता हूँ।

आप विद्यार्थियों को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संस्था, भारत के संसद को देखने का, उसकी कार्यप्रणाली को करीब से जानने-समझने का मौका मिले। आपके अंदर संसदीय परंपराओं को लेकर ज्ञान और समझ विकसित हो, राष्ट्र निर्माण और उसकी प्रक्रिया में आपका अधिक से अधिक योगदान हो, यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।

आप सब प्रतिभा के धनी हैं। होनहार हैं, ऊर्जावान हैं। आप लोगों ने यहाँ आने के लिए एक परीक्षा पास की है, और संसद के लिए पहले से एक अच्छी खासी समझ लेकर आप आए हो। इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूँ। हमारी संसद को लोकतंत्र का मंदिर कहा जाता है। यही वह जगह है, जहां से देश कि विधायिका देश के लिए कानून निर्माण करती है। इसी संसद भवन में गहन विचार-विमर्श के बाद भारत का महान संविधान तैयार हुआ था।

बाबा साहब अंबेडकर जी, डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी, सरदार वल्लभ भाई पटेल जी, बाबू जगजीवन राम जी, हंसा मेहता जी जैसे अनेक महापुरुषों ने इस भवन में करीब 3 वर्ष के चिंतन और विमर्श के बाद भारत का संविधान तैयार किया।

इससे हमें यह सीख मिलती है कि समर्पण भाव के साथ हम चिंतन और मनन करके कोई कार्य करते हैं तो वह कार्य फलीभूत होता है और बेहतर तरीके से होता है।

आज से 2 वर्ष बाद हमारे संविधान को तैयार हुए 75 वर्ष हो जाएंगे। लेकिन आप यकीन मानिए कि पूरी दुनिया में आज भी भारत के संविधान से बेहतर कोई संविधान तैयार नहीं हुआ है।

हमारे संविधान निर्माण और महापुरुषों से हम सीख सकते हैं कि आपका जो लक्ष्य है, आपके अंदर उसे पाने का जुनून होना चाहिए। हमारे संविधान निर्माताओं ने पहले दुनिया के अलग अलग संविधानों का अध्ययन किया था, उसके बाद भारत का संविधान तैयार

किया उन्होंने संविधान के बहुत से भाग अलग अलग संविधानों से लिए, और सबका समायोजन कर एक सर्वोत्कृष्ट संविधान बनाया।

इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम हमेशा सीखने के लिए तैयार रहे। हम जितना सीखेंगे, जितना पढ़ेंगे, जितना पूरी दुनिया को जानेंगे, उतना अच्छा हम कर पाएंगे।

हमें यह जानना चाहिए कि दुनिया में क्या चल रहा है। क्या नया परिवर्तन दुनिया में हो रहा है, किस तरह नए आविष्कार हो रहे हैं, क्या अपडेट हो रहा है। ये सब जानकारी जानने की इच्छा हमारे मन में होनी चाहिए।

इसके लिए मैं आपको सुझाव दूंगा कि आप डेली न्यूजपेपर ज़रूर पढ़ें। आप हर दिन अखबार पढ़ें। अखबार में इतनी नॉलेज आती है, दुनिया की, कम से कम हमें वो मालूम होनी चाहिए। और आज तो इंटरनेट और मोबाईल का जमाना है। इंटरनेट की सहायता से हम नई नई चीजें सीखें और अपने आप को हमेशा बेहतर बनाएं।

अभी जैसे एक नई चीज आई है, चैट जीपीटी।आपमें से किस स्टूडेंट को इसके बारे में पता है। ये आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की एक तकनीक है। जिसे आप इस तरह समझो कि दुनिया भर में वैज्ञानिक अभी इस पर काम कर रहे हैं कि कैसे अधिक से अधिक काम बिना इंसान के किए हो जाए। पहले इसके लिए मशीनें बनाई जाती थी, अब सॉफ्टवेयर बनाए जाते हैं। चैट-जीपीटी ऐसा ही एक तरीका है, जिसमें बस हमें इनपुट डालना होता है, जो हमें चाहिए, वो लिखकर दे देता है।

किसी भी प्रतियोगिता के लिए कहा जाता है कि व्यक्ति या तो उसमें जीतता है, या सीखता है, लेकिन हारता नहीं है। पढ़ाई हो या खेल, हमें हर क्षेत्र में यह सोच रखनी है कि पूरी क्षमता से हम उसमें भागीदारी करें।

हमारा संविधान बहुत व्यापक है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जिसका संविधान में उल्लेख न हो। सभी के लिए समानता और सभी के प्रति संवेदनशीलता हमारे संविधान की पहचान है। यह हर नागरिक, गरीब हो या दलित, पिछड़ा हो या वंचित, आदिवासी, महिला, सभी के मूलभूत अधिकारों की रक्षा करता है और उनके हितों को सुरक्षित रखता है।

हमारे संविधान में हमारे अधिकार भी है तो हमारे लिए कुछ कर्तव्य भी हैं। मैं चाहूँगा कि आप अपने अधिकारों को भी जानें और देश के लिए आपके क्या कर्तव्य हैं, यह भी समझें। देश के प्रति हम अपने कर्तव्यों, अपनी जिम्मेदारी को निभाएं तो हमें अपने अधिकार अपने आप मिल जाएंगे। इस भाव के साथ हम आगे बढ़ें।

आप बच्चे ही तो देश का भविष्य हैं। तमाम प्रतिभाओं से गुणी हमारे बच्चों को जरूरत है अवसर प्रदान करने की। मेरा मानना है कि आपको जितने अवसर मिलेंगे, उतना ही निखार आपकी प्रतिभा में आएगा, और आप भविष्य के लिए उतने ही तैयार होंगे। आप जितनी और जिस गति से आगे बढ़ोगे, हमारा देश भारत भी उतनी ही तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। इन सभी चीजों के लिए आवश्यक है कि आप देश और व्यवस्था से जुड़ी मूलभूत जानकारियों को जानें व समझें। समझ संसद की कार्यक्रम उसी दिशा में एक कदम है।

आप देश में अभी वो पीढ़ी हो, जिस पर हम मान सकते हैं कि अभी कोई जिम्मेदारी नहीं है। आप अभी स्कूल में पढ़ते हो, इसलिए अभी आपसे ज्यादा उम्मीदें नहीं की जाती। लेकिन आज से कुछ साल बाद आप कॉलेज-यूनिवर्सिटी में एडमिशन लोगे। आप कॉलेज-यूनिवर्सिटी में अपनी पढ़ाई करोगे तब देश की आम जनता को भी आपसे उम्मीदें होगी।

आपसे ये उम्मीद होगी कि आप देश कि सभी चुनौतियाँ का हल निकालोगे, उन चुनौतियों को पार करने का रास्ता बताओगे। क्योंकि जो जितना सामर्थ्यवान/मजबूत/शक्तिशाली होता है, उस पर उतनी ही जिम्मेदारी आती है। आपको इस बात को समझना होगा और इस दिशा में आपको काम करना चाहिए।

हमारे देश में स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के लेवल पर युवा संसद का आयोजन होता है। आप इनमें हिस्सा लें और अपने अंदर लीडरशिप के गुणों को और डिवेलप करें। स्कूल और कॉलेज स्तर पर कई संगठन हैं, जैसे एन.एस.एस, एन.सी.सी. नेहरू युवा संगठन। आप इन संगठनों, इन कार्यक्रमों से जुड़ें। आप पढ़ाई तो करें ही, लेकिन साथ में जो एक्स्ट्रा गतिविधियां हमारे स्कूलों में होती है, उनमें भी भागीदारी करें। वाद-विवाद, भाषण, लेखन जैसी प्रतियोगिताओं में भी भागीदारी करें।

21वीं सदी में आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मविश्वासी युवा बहुत ज़रूरी है। ये आत्मविश्वास, फिटनेस से बढ़ता है, एजुकेशन से बढ़ता है, स्किल और उचित अवसर उपलब्ध कराने से बढ़ता है। इसके लिए जो भी आवश्यक है, हर स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। मैं मानता हूँ कि ये जो युवा शक्ति हमारे सामने है, वही तो हमारा भावी भारत है।

आधुनिक दौर में टेक्नोलॉजी आज हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई है। बच्चे हों या युवा, सभी टेक्नोलॉजी से जुड़े हुए है। इसका शिक्षा के क्षेत्र पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आज 'स्मार्ट क्लासरूम्स' जैसे कई लर्निंग एप्लीकेशन्स उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन पाठ्य-सामग्रियों की भरमार है, जो शिक्षा को और अधिक मनोरंजक

व सहज बना रही है। इसी का तो परिणाम है कि आज ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी ऑनलाइन लाइब्रेरी के माध्यम से देश-दुनिया में उपलब्ध किताबों से अपना ज्ञान बढ़ा रहे हैं।

इस कार्यक्रम के आयोजन का मूल उद्देश्य है – हमारे होनहार छात्र-छात्राओं और युवाओं को भारत के संविधान में जो मूल्य हैं, जो सिद्धांत हैं उनकी जानकारी देना और विधायिका के बारे में समझाना।

मुझे पूरा विश्वास है कि यहां इस कार्यक्रम के माध्यम से आपको नई-नई जानकारियां मिलेंगी, एक अलग तरह का अनुभव प्राप्त होगा। आपके मन में जो सवाल उठ रहे होंगे, उनके बेहतर समाधान निकलेंगे।

अभी पिछले साल भारत ने अपनी स्वतंत्रता के ऐतिहासिक 75 वर्ष पूर्ण किए हैं। आजादी के बाद के इन 75 वर्षों ने भारत ने अनेक उपलब्धियां हासिल की है, कई पड़ाव पार किए हैं। लेकिन 75 वर्ष के बाद अब हमारा देश अब एक नए उत्साह और उमंग के साथ आगे बढ़ रहा है। अगले 25 वर्ष के लिए भारत अमृतकाल की यात्रा कर रहा है। क्योंकि ये वो समय है, जब भारत के पास दुनिया की सबसे अधिक युवा जनसंख्या है।

आप लोगों ने कई बार पढ़ा होगा कि ज्यादा जनसंख्या विकास को रोकती है। लेकिन भारत के मामले में इसका उलट होने वाला है। क्योंकि देश कि 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। आने वाले कल के भारत की तस्वीर कैसी होगी, ये हमारे नौजवान, आप विद्यार्थी निर्धारित करेंगे। 25 वर्ष बाद भारत जब अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा देश दुनिया में सबसे विकसित राष्ट्र होना चाहिए, इस संकल्प के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।

आप प्यारे विद्यार्थियों से मिलकर, आपसे बात कर मुझे लग रहा है कि आप अपनी प्रगति भी करोगे और साथ में देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाओगे। मैं इसके लिए आपको बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

आगे बढ़ते रहो, अपने घर-परिवार, देश और समाज का नाम रोशन करते रहो।